एक नजर में

संत-भक्त निवास के निर्माण कार्य का शुभारंभ

इंदौर. श्री अन्नपूर्णा आश्रम मंदिर परिसर में हिन्दू नववर्ष के शुभारंभ प्रसंग पर विष्णु-गीता बिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपने पूर्वजों की स्मृति में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि एवं स्वामी जयेंद्रानंद गिरी के सानिध्य में 14 हजार वर्गफीट क्षेत्र में संत निवास एवं भक्त निवास के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया. आचार्य पं. कल्याण दत्त शास्त्री के निर्देशन में पूजन विधि ट्रस्ट के प्रमुख विष्णु-श्रीमती गीता बिंदल एवं हितेश-अर्पिता बिंदल ने सम्पन्न की. संत निवास एवं भक्त निवास का निर्माण अन्नपूर्णा मंदिर के पीछे तीन मंजिला भवन के रूप में किया जाएगा जिसमें संतों के निवास हेतु 60 कमरें, एक रसोईघर तथा एक सभागृह के अलावा 4 बड़े कक्ष भी बनाए जाएँगे, जहाँ संतों के साथ आने वाले उनके सहयोगी भी विश्राम कर सकेंगे. भवन का निर्माण कार्य एक से डेढ़ वर्ष की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इस भवन के निर्माण से अन्नपूर्णा लोक के रूप में नवश्रृंगारित मंदिर के दर्शनार्थ आने वाले संतों और भक्तों के लिए आवास-निवास की पर्याप्त व्यवस्था हो सकेगी. इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल एवं प्रेमचंद गोयल सहित अन्नपूर्णा मंदिर के न्यासीगण टीकमचंद गर्ग, दिनेश मित्तल, श्याम सिंघल, पवन सिंघानिया मोयरा, सत्यनारायण शर्मा, सुनील गुप्ता, वजिंदर सिंह छाबड़ा, जगदीश भाई पटेल, निर्मल रामरतन अग्रवाल, किशोर गोयल, विनोद सिंघानिया, भूपेश गुप्ता, गौरव पटेल सहित बड़ी संख्या में आश्रम एवं ट्रस्ट से जुड़े सहयोगी बंधु उपस्थित थे.

खण्डेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप का गणगौर उत्सव

इंदौर. खण्डेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप द्वारा गणगौर उत्सव उत्साह और पारंपरिक रीति- रिवाजों के साथ मनाया. कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी होकर भाग लिया और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. अध्यक्ष सीमा खण्डेलवाल एवं मीडिया प्रभारी तनुजा खण्डेलवाल ने बताया कि सास-बहू थीम विशेष आकर्षण का केंद्र रही. सभी महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर उत्सव को जीवंत बना दिया. कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने नृत्य एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया. आयोजन की संयोजक शिवानी धामनी, सुनीता बड़गौती, श्वेता धामनी एवं निधि कूलवाल सहित अन्य रही. रिश्तों के रंग सास बहु के संग की थीम आकर्षण का केंद्र रही. सचिव अद्विता बड़गौती एवं कोषाध्यक्ष नीलू राजौरिया सहित अन्य मौजूद रही.

सामुदायिक विकास केंद्र का किया उद्घाटन

इंदौर. आइशर सामुदायिक विकास केंद्र (ई-सीडीसी) का उद्घाटन आइशर ट्रक्स और बसेस ने पीथमपुर में किया. आइशर ग्रुप फाउंडेशन की स्थानीय क्षेत्र विकास पहल के तहत स्थापित, यह केंद्र विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में निरंतर सामाजिक प्रभाव डालने के लिए डिज़ाइन किया गया है. ई-सीडीसी प्रमुख विकास क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप प्रदान करने के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करता है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा और स्थायी आजीविका के अवसरों तक पहुँच को मजबूत करता है. विग्यात सिंह, डाइरेक्टर, आइशर ग्रुप फाउंडेशन ने कहा आइशर ग्रुप फाउंडेशन में, हमारा सीएसआर दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से परिभाषित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर आधारित है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका विकास और स्थानीय समुदाय की उन्नति शामिल है. पीथमपुर में स्थित यह सामुदायिक विकास केंद्र अपनी तरह का पहला ऐसा केंद्र है जो इन सभी प्रमुख क्षेत्रों को एक ही एकीकृत मंच पर एक साथ लाता है. भगवान के. बिंदिगनाविले, कार्यकारी उपाध्यक्ष रणनीतिक योजना, ब्रांड एवं संचार, वीईसीवी ने कहा आइशर ग्रुप फाउंडेशन का सामुदायिक विकास केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों तक पहुँच को मजबूत करके, एक सार्थक और व्यवस्थित तरीके से समाज को कुछ वापस देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. केंद्र की शिक्षा पहल कक्षा 4 से 10 तक के छात्रों के लिए बुनियादी शिक्षा को मज़बूत करने और स्कूल छोड़ने वाले छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा में फिर से जोड़ने पर केंद्रित है. महिला सशक्तिकरण के तहत, यह पहल 117 स्वयं सहायता समूहों के साथ काम करती है, जिससे 459 महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म उद्यमों और 1,068 परिवारों को मदद मिलती है.

गौरैया दिवस विशेष

नन्ही गौरैया

कहाँ गई वो नन्ही गौरैया,
जो हर आँगन की शान थी,
जिसकी चहचहाहट से ही
सुबह की पहचान थी।

कभी मुंडेरों पर बैठ-बैठ
गीत सुनाया करती थी,
हर घर के कोने कोने में
खुशियों के रंग भरती थी।

चोंच में तिनका दबाए वो
सपनों का घर बनाती थी,
छोटे-छोटे पंखों से भी
जीने की जिद दिखाती थी।

पर आज न जाने कहाँ खो गई,
किस मोड़ पर रुक गई उसकी
उड़ान,
सीमेंट के ऊँचे जंगलों ने
छीन लिया उसका आसमान।

पेड़ कटे, आँगन सिमट गए,
छतों से मिट गई हरियाली,
इंसान की इस दौड़ में
खो गई प्रकृति की लाली।

मोबाइल टावरों की छाया में
उसकी आवाज़ दब गई,
धरती की वो नन्ही धड़कन
मानो कहीं थम-सी गई।

अब भी सूनी खिड़की पूछे
कहाँ गई वो प्यारी चिड़िया?
जिसकी चहक से चहकती थी
हर घर की छोटी दुनिया।

आओ फिर से दाने बिखेरें,
थोड़ा पानी रख आएँ,
पेड़ लगाकर, आँगन सजाकर
उसको फिर घर बुलाएँ।

शायद फिर किसी सुबह
वो लौटकर आ जाएगी,
अपनी मीठी चहचहाहट से
धरती को फिर सजाएगी।

क्योंकि याद रहे
प्रकृति का करना है संरक्षण,
वो नन्ही-सी गौरैया है
इस धरती की धड़कन

डॉ अर्चना श्रीवास्तव
'ओमप्रिया'

गुड़ी पड़वा पर सूर्य को अर्घ्य देकर मनाया नवसंवत्सर

- राजवाड़ा, बड़ा गणपति और चाणक्यपुरी चौराहा पर हर्षोल्लास के साथ निभाई परंपरा
- लोकगीत, लोकनृत्य, ढोल, मृदंग, तासे, डमरू और शंखनाद की विशेष प्रस्तुति

इंदौर. हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर शहर एक बार फिर सनातन आस्था, परंपरा और सामाजिक समरसता के अद्भुत संगम का साक्षी बना। इस अवसर पर संस्कार भारती, लोक संस्कृति मंच एवं नगर निगम के तत्वावधान में शहर की हृदय स्थली राजवाड़ा पर सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान सूर्य की आराधना की गई। संस्था सार्थक के तत्वावधान में भगवान सूर्यदेव को 9 पवित्र नदियों के जल से अर्घ्य देकर नवधा भक्ति को भी सार्थक किया गया। जबकि चाणक्यपुरी चौराहा पर विट्ठल रुक्मिणी संस्था द्वारा प्रदेश की सबसे ऊंची 51 फीट की भव्य गुड़ी पारंपरिक पूजन के साथ स्थापित की गई, जो नवसंवत्सर के स्वागत का दिव्य प्रतीक बनी। इस अवसर पर महाकाल की सवारी के ख्यात कलाकारों नें ढोल, मृदंग, तासे, डमरू और शंखनाद की विशेष प्रस्तुति से सब का मन मोह लिया.

संस्कार भारती, लोक संस्कृति मंच एवं नगर निगम इंदौर के तत्वावधान में गुड़ी पड़वा एवं हिंदू नववर्ष पर आदि देव नमस्तुभ्यं प्रसीद तम भास्कर, दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोस्तुते सूर्याय नमः, ऊँ भास्कराय नमः मंत्रों के साथ हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर शहर की हृदय स्थली राजवाड़ा पर सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान सूर्य की आराधना की गई। प्रातः 5.30 बजे से आरंभ हुए इस आयोजन में शहर के संतों, नेताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। लोक संस्कृति मंच संयोजक एवं सांसद शंकर लालवानी, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पार्षद रूपाली पेंढ़ारकर एवं संध्या यादव ने उगते सूर्य को जल अर्पित किया। इस अवसर पर निमोली प्रसाद का वितरण किया गया, गुड़ धनिया भी बांटा गया।

9 पवित्र नदियों के जल से दिया अर्घ्य

संस्था सार्थक एवं हिंदू नववर्ष आयोजन समिति के तत्वावधान में बड़ा गणपति चौराहे पर में पारंपरिक लोक नृत्य, वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंख ध्वनि के साथ गुड़ी पड़वा के स्वागत किया गया। इस अवसर पर भगवान सूर्यदेव को 9 पवित्र नदियों के जल से अर्घ्य देकर नवधा भक्ति को भी सार्थक किया गया। आयोजक, भाजपा प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी और पूर्व पार्षद दीपक जैन टीनू ने बताया कि सामूहिक सूर्य अर्घ्य, पारंपरिक लोकगीत एवं लोकनृत्य, मातृशक्ति द्वारा शस्त्र कला को भी इसलिए प्रमुखता से आयोजन में शामिल किया गया था, ताकि नई पीढ़ी को शास्त्रीय एवं पौराणिक परंपराओं से संस्कारित किया जा सके। जब बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार व शंख ध्वनि के साथ पवित्र नदियों के जल से सूर्यदेव को अर्घ्य दिया गया, संपूर्ण क्षेत्र धर्म और परंपरा के सार्थक संस्कारों का प्रतिबिंब बन गया। संस्था के अध्यक्ष नितेश मुछाल, केशव पोरवाल ने बताया कि इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ. चेतन स्वरूप महाराज, महामंडलेश्वर श्रीराम गोपाल दास महाराज, महामंडलेश्वर दादू महाराज, महामंडलेश्वर पवन दास महाराज, महामंडलेश्वर विजय रामदास महाराज, यजत्र दास महाराज सहित अन्य संत महात्मा व नेता एवं गणमान्यजन, मातृशक्ति, रहवासी संगठन बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति रही।

सबसे बड़ी 51 फीट ऊंची गुड़ी के साथ नवसंवत्सर का स्वागत

चाणक्यपुरी चौराहे पर सुबह 10 बजे प्रदेश की सबसे ऊंची 51 फीट की भव्य गुड़ी पारंपरिक पूजन के साथ स्थापित की गई, जो नवसंवत्सर के स्वागत का दिव्य प्रतीक बनी. इस अवसर पर महाकाल की सवारी के ख्यात कलाकारों ने ढोल, मृदंग, तासे, डमरू और शंखनाद की विशेष प्रस्तुति से सब का मनमोहन लिया. विट्ठल रुक्मिणी संस्था के मयूरेश पिंगले ने बताया कि नववर्ष प्रतिपदा के इस पावन पर्व को अत्यंत हर्षोल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया. इस अवसर पर वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम ओर लोकतंत्र सेनानियों का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया. प्रमुख रूप से महामंडलेश्वर दादू महाराज, भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, महापौर पुष्यमित्र भार्गव जी, सुदर्शन गुप्ता, निशांत खरे, गोपाल गोयल, सीताराम व्यास आदि शामिल हुए. श्रद्धालुओं को 11000 मोतीचूर के लड्डू और पारंपरिक गुड़-धनिया का वितरण किया. कार्यक्रम में संत-महात्माओं के सानिध्य से आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा और अधिक बढ़ी मयूरेश पिंगले ने बताया कि यह आयोजन केवल परंपरा निभाने का माध्यम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सेवा संकल्प है. आयोजन में महिलाओं बच्चों के साथ वृद्धजन भी बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिन्होंने गुड़ी पूजन किया और सूर्य देव को अर्घ्य प्रदान कर नवसंवत्सर की बधाइयां दीं.

शहर के चौराहों पर कांग्रेस ने हिंदू नववर्ष पर बांटा गुड़ धनिया

इंदौर. आज हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा पर कांग्रेस ने शहर के प्रमुख चौराहों पर जनता को बधाई देकर गुड़ धनिया बांटा.

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि आज कांग्रेस नेताओं ने गुड़ी पड़वा पर्व पर शहर के नागरिकों को नववर्ष की बधाई दी और गुड़ से मुंह मीठा कराया. कांग्रेस ने कहीं पर गुड़ी बांधी, तो कहीं पर नागरिकों को गुड धनिया देकर बधाई दी. शहर के करीब 24 प्रमुख चौराहों पर कांग्रेस नेताओं ने आम नागरिकों को बधाई देने का कार्यक्रम किया. कांग्रेस द्वारा विधानसभा एक के गंगानगर चौराहे पर योगेश मौर्य, बड़ा गणपति प्रेम कुमार शर्मा, लक्ष्मीपुरा चौराहे जितेंद्र पाटील और 60 फीट रोड पर विपिन यादव ने लोगों को बधाई दी. विधानसभा क्षेत्र 2 के एम आर 10 पर शुभम यादव, सुभाष नगर पर आशु पांडे, विजयनगर चौराहे राहुल धाकरे, सयाजी चौराहे गब्बर पवार और स्कीम नंबर 114 में शिवलाल गुर्जर ने लोगों को गुड़ धनिया बांटा. विधानसभा क्षेत्र में तीन के अग्रसेन चौराहा पर निलेश सेन, राजवाड़ा पर विशाल चतुर्वेदी और अंकित जोशी, सिंधी कॉलोनी चौराहे पर गिरीश जोशी, राज मोहल्ला चौराहे पर सुनील पाल, रणजीत हनुमान मंदिर पर जतिन थोरात और फूटी कोठी चौराहे पर रविकांत मिश्रा ने जनता को बधाई देते हुए गुड़ से मुंह मीठा कराया. इसी तरह विधानसभा क्षेत्र 5 में खजराना चौराहे पर शाहनवाज खान, तिलक नगर चौराहे पर शैलेंद्र जैन, पलासिया चौराहे पर पुखराज राठौर, मालवा मिल चौराहे पर आकाश कुशवाहा और मुसाखेड़ी चौराहे पर संतोष यादव ने बधाई दी. राऊ विधानसभा के पिपलियापाला चौराहे पर अजय झा ने आम लोगों को शुभकामनाएं देकर गुड़ धनिया दिया.

श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ का शुभारंभ, गूंजने लगी मंत्रों की मंगल ध्वनि

- दशहरा मैदान पर वृन्दावन के प्रेम मंदिर में हुई राम दरबार की स्थापना

इंदौर. दशहरा मैदान स्थित अवध लोक पर हिन्दू नववर्ष एवं नौ दिवसीय श्रीराम जन्मोत्सव का शुभारंभ गुरुवार सुबह श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ, वृन्दावन में बने भव्य प्रेम मंदिर की प्रतिकृति में राम दरबार एवं राधा कृष्ण की मनोहारी छबियों की स्थापना तथा गुड़ी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ. दत्त माउली संस्थान के अधिष्ठाता सदगुरू अण्णा महाराज, सांसद शंकर लालवानी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के रामेश्वर जिला प्रमुख वीरेन्द्र गोयल, सेवा भारती के मूलचंद गुर्जर, सामाजिक समरसता के प्रमुख किरण जोशी सहित विहिप एवं संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने आचार्य पंडित अगस्त्य व्यास द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर इन सभी अनुष्ठानों का शुभारंभ हुआ.

दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' सुबह हिन्दू नववर्ष की बेला में

वैदिक मन्त्रों, श्लोको, चौपाइयों और आरतियों की मंगल ध्वनि से गुंजायमान बना रहा। सभी अतिथियों ने यज्ञशाला पहुंचकर सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान तथा श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री के साथ नए वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्र में सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए आहुतियाँ समर्पित की. यहाँ लक्ष्मीनारायण यज्ञ पूरे नौ दिनों तक आचार्य पं. अगस्त्य व्यास एवं उनके सहयोगी विद्वानों के मार्गदर्शन में चलेगा जिसमें 16 हजार 108 आहुतियाँ समर्पित की जाएगी. मेला स्थल पर परम्परागत गुड-धनिया प्रसाद का वितरण भी दिनभर किया गया. सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ में प्रतिदिन सुबह 9 से 11 बजे तक आहुतियाँ समर्पित की जाएगी.

रोज होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

दोपहर से ही यहां मेले की शुरुआत भी हो गई. यहां करीब 100 स्टाल लगाए गए हैं, उनमें से 50 पर धार्मिक साहित्य, पूजन सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और अन्य सात्विक सामग्री विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगी. 50 स्टाल्स पर एक अलग झोन खाने-पीने की वस्तुओं का भी लगाया गया है, जहां बच्चों के मनोरंजन के लिए चकरी, झूले एवं चाट चौपाटी के साथ ही आईस्क्रीम, कुल्फी, शीतलपेय आदि के विक्रय की व्यवस्था की गई है. सबके राम महोत्सव में सुबह 6 से 8 बजे तक योगासन, 8 से 9 बजे तक गौपूजन, 9 से 11 बजे तक लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, दोपहर में 2 बजे से रात 11 बजे तक मेला, शाम 5 से 7 बजे तक प्रतिदिन भारतीय चिकित्सा पद्धति पंचकर्म से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, 6 बजे रामधुन, 7 बजे आरती, 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे. 20 मार्च को शाम 7 बजे से विशेष श्रेणी के बच्चे योगासन एवं अन्य करतबों का प्रदर्शन करेंगे. महोत्सव में 27 मार्च तक अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी.

घर-घर हुआ बाबा की पालकी का पूजन, साईं भक्तों पर पुष्प वर्षा

इंदौर. नंदा नगर क्षेत्र की गलियां और सड़कें गुरुवार को सुबह रंगोली, फूलों और भगवा पताकाओं सहित रंगबिरंगी सजावट से दमक उठीं. केन्द्रीय साईं सेवा समिति की मेजबानी में हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में शहर के 200 से अधिक साईं मंदिरो से जुड़े भक्तों का उत्साह इस कदर परवान चढ़ा कि करीब 30 स्थानों पर भजनों के बीच नाचते गाते श्रद्धालुओं ने पालकी का पूजन कर साईं भक्तों पर पुष्प वर्षा भी की और बाबा के जयघोष से क्षेत्र को गुंजायमान बनाए रखा. कई साईं भक्तों ने रतजगा कर परिवार सहित अपने घर आँगन की सजावट की.

प्रभात फेरी का शुभारंभ अनूप टॉकीज के सामने स्थित विनोद यादव बब्बू के निवास से हुआ जहाँ केन्द्रीय साईं सेवा समिति की ओर से अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव, चंदू कुंजीर, पार्षद रुपेश देवलिया, समीर जोशी, आलोक खादीवाला, पार्थ मोहन सेंगर, सुभाष यादव, राजाराम यादव, नंदू यादव, बबलू यादव, नीरज यादव, मोहन पहलवान, रिंकू गौर, पंकज यादव, संजय शर्मा, पिंकी भाटिया, ज्ञानेश्वर होल्कर सहित सैकड़ों साईं भक्तों ने भजन गायक प्रदीप परमार और ध्रुव सेठी की मनोहारी प्रस्तुतियों के बीच नाचते गाते हुए बाबा की पालकी का पूजन किया. नंदा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों को दुल्हन की तरह सजाया गया था. घर-घर बाबा की पालकी के पूजन की होड़ मची रही. भगवान भोलेनाथ और राधा कृष्ण के स्वरुप में सजे कलाकारों के साथ नाचने, गाने और झुमने का सिलसिला पहले दिन से ही चल रहा है जो गुरुवार को भी जारी रहा।

वैश्य एकता दिवस पर की गौसेवा

- हिन्दू नववर्ष पर दी एक दूसरे को शुभकामनाएं

इंदौर. मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन एवं श्री विशा नागर वणिक समाज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सुबह पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर पर सैकड़ों वैश्य बंधुओं ने हिन्दू नववर्ष के शुभारंभ प्रसंग पर गौसेवा कर महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपाल दास महाराज के सानिध्य में गौसेवा कर वैश्य एकता दिवस मनाया तथा एकदूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएँ भी दी.

इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री अरविन्द बागड़ी, हरीश विजयवर्गीय, कैलाशचंद्र खंडेलवाल सहित अन्य पदाधिकारी और विशा नागर समाज की ओर से शहर अध्यक्ष शैलेष नागर, सचिव संजय नागर एवं कार्यकारिणी के सदस्यों सहित विभिन्न वैश्य घटकों के समाज बंधु भी उपस्थित थे जिन्होंने हिन्दू संवतसर नववर्ष पर गौसेवा के माध्यम से धर्म एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प व्यक्त किया. सभी बंधुओं ने गौसेवा कर पूजन के बाद श्रीराम मंदिर में भी दर्शन पूजन कर सभी वैश्य समाजों के बंधुओं के लिए सुख, शांति और सद्भाव की प्रार्थना की।

एक नजर में — सानंद फुलोरा के अंतर्गत प्रख्यात गायिका मंजूषा पाटील की अविस्मरणीय प्रस्तुति

'मम सुखाची ठेव' : गंधर्व परंपरा को सुरों की सजीव आदरांजली

इंदौर. सानंद न्यास के फुलोरा उपक्रम के अंतर्गत देश की विख्यात शास्त्री गायिका विदुषी मंजूषा पाटील ने गुरुवार रात अपनी अविस्मरणीय प्रस्तुति से श्रोताओं को अभिभूत कर दिया.

दरअसल, मराठी रंगमंच के स्वर्णिम युग के नटसम्राट बालगंधर्व का नाट्यसंगीत आज भी रसिकों के हृदय पर समान अधिकार से विराजमान है. इसी अमर सांगीतिक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सराहनीय कार्य सुविख्यात शास्त्रीय गायिका विदुषी मंजुषा पाटील अपने कार्यक्रम 'मम सुखाची ठेव' के माध्यम से कर रही हैं. यह कार्यक्रम केवल गायन तक सीमित नहीं, बल्कि एक समृद्ध सांगीतिक विरासत का भावपूर्ण पुनर्स्मरण है. कार्यक्रम की संकल्पना अत्यंत सुविचारित और प्रभावपूर्ण है. 'प्रथम तुज पाहता', 'नारायणा रमा रमणा', 'खरा तो प्रेम' और 'मम सुखाची ठेव' जैसे कालजयी नाट्यपदों के माध्यम से

बालगंधर्व की गायकी के माधुर्य, नजाकत और भावलोक का सजीव परिचय मिलता है. प्रत्येक प्रस्तुति से पूर्व मंजुषा जी उस रचना का संदर्भ, उसका कालखंड और उसकी सांगीतिक विशेषताएं श्रोताओं के समक्ष रखती हैं, जिससे कार्यक्रम में बौद्धिक गहराई और भावनात्मक ऊष्मा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है. मंजुषा पाटील की गायकी का सबसे उल्लेखनीय पक्ष है, बालगंधर्वी शैली का संवेदनशील संरक्षण. बालगंधर्व का गायन शास्त्रीयता की गहराई और भावाभिव्यक्ति की कोमलता का अद्वितीय संगम है. बहरहाल, सानंद का यह गुड़ी पड़वा उत्सव मराठी साहित्य अकादमी म. प्र. संस्कृती परिषद भोपाल एवं संगीताचार्य द. वि. काणेबुवा प्रतिष्ठान पुणे के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया. विदुषी गायिका मंजुषा पाटील के साथ देश के सुविख्यात निवेदक राहुल सोलापूरकर ने कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया. उन्होंने नट सम्राट बाल गंधर्व और मराठी नाटक गीत का इतिहास श्रोताओं को बताया. संगतकार थे आर्गन-वरद सोवनी, तबला-विनायक जोशी, व्हायोलिन-राजेन्द्र भावे, पखवाज-नंदू भांडवलकर, टाळ-आनंद टाकळकर, साउंड इंजि. प्रशांत अरूणकर. प्रारंभ में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर के समाजसेवी संतोष गोडबोले ने दीप प्रज्वलित गुड़ी पड़वा उत्सव की शुरुआत की.

अनादि तागड़े को युवा पुरस्कार

इस अवसर पर सानंद द्वारा स्थापित 8 वां डॉ. बा.श्री काळे स्मृती युवा पुरस्कार युवा प्रतिभा अनादि तागडे को दिया गया. सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे एवं सचिव संजीव वावीकर ने अतिथियों का स्वागत किया.